हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 217 देहरादून, शनिवार, 18 फरवरी, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

सादा जीवन उच्च विचार का दूसरा नाम है पर्वत पुत्र 'भगत सिंह कोश्यारी' 3

उत्तराखण्ड में वेस्ट टू वैल्थ और वेस्ट टू एनर्जी की दिशा में काम करेंगे : पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री

वन मंत्री सुबोध उनियाल के निर्देशन में प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट कार्यशाला में हुआ प्लास्टिक प्रदूषण की रोकथाम पर मंथन

■ प्रमुख सचिव वन, आर.के सुधांशु,विभागाध्यक्ष विनोद कुमार और बोर्ड के सदस्य सचिव सुशांत पटनायक के साथ साथ निदेशक पर्यावरण एस.पी सुबुद्धि के नेतृत्व का भी दिखा प्रभाव

मोहम्मद सलीम सैफ़ी की स्पेशल रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 18 फ़रवरी , देवभूमि उत्तराखंड में न हो सिंगल यूज़ प्लास्टिक का उपयोग ..... आम जन हो जागरूक और पर्यटकों को मिले प्रदूषण मुक्त परिवेश .. यही है उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का उद्देश्य अपने प्रदेश को प्लास्टिक से होने वाली हानि से बचने के उपाय और प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन पर वर्कशॉप का आयोजन किया जिसमें सरकार से लेकर विषय विशेषज्ञों ने मंथन किया।

उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा राज्य में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन एवं एपीआर विषय पर आयोजित इस एक दिवसीय कार्यशाला के समापन के अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड की सुंदरता बनाए रखने तथा प्राकृतिक संसाधनों के रखरखाव में जन भागीदारी का आह्वान किया। इस अवसर पर उन्होंने राज्य की पहली वेस्ट टू एनर्जी प्लांट, काशीपुर ईकाई का वर्चुअल एवं प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट पर आधारित लघु फिल्म का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट पर आधारित स्टॉलों का अवलोकन भी किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि इस कार्यशाला में प्लास्टिक प्रदूषण से होने वाली चुनौतियों के निस्तारण के सबंध में की जाने वाली चर्चा निश्चित रूप से राज्य में पर्यावरण के मानक व स्थिति को बेहतर बनाने की दिशा में कारगर सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि आज हमारे घरों, उद्योगों, होटलों, रेस्टोरेंट, प्रतिष्ठानों से निकलने वाला प्लास्टिक वेस्ट हमारे लिए बहुत बड़ी चुनौती बन गया है। इस चुनौती से निपटने के लिए हमें आधुनिक तकनीक से प्लास्टिक कचरे के रिसाइक्लिंग तकनीक को विकसित करने की दिशा में जागरूक और संवेदनशील बनने की आवश्यकता है। सिंगल यूज प्लास्टिक को हमारे जीवन की उपयोगिता से बाहर करने की दिशा में हम सबको सामूहिक रूप से अधिक गंभीर होने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा प्लास्टिक उत्पादन से संबंधित उद्योग/इकाई द्वारा ई.पी.आर रजिस्ट्रेशन के सम्बन्ध में उत्तर भारत में उत्तराखण्ड वर्तमान में अग्रणी है, जो निश्चित रूप से एक गौरव का विषय है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस कार्यशाला में किया जाने वाला मन्थन निश्चित रूप से हमारे उद्यमियों और आम जनता को अपने प्रतिष्ठान, घर, शहर और गांव के साथ ही पूरे राज्य को स्वच्छ बनाने में सहयोग करेगा। अब समय आ गया है कि हमें उत्तराखण्ड में वेस्ट टू वैल्थ और वेस्ट टू एनर्जी की दिशा में काम करने की ओर अग्रसर होना होगा। अब सर्कुलर इकोनॉमी का कॉन्सेप्ट आ चुका है, जो कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में कारगर साबित होगा। कचरे को सिर्फ कचरा न समझ कर एक संसाधन के तौर पर देखने की आवश्यकता है। इससे आम लोगों को आजीविका के साथ-साथ रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध होंगे। आज देश में कई स्टार्टअप इस दिशा में नई तकनीक व उत्पाद के साथ सामने आ रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वच्छता अभियान, शौचालय निर्माण, नमामि गंगे अभियान जैसे कार्यक्रमों की शुरूआत करके सम्पूर्ण विश्व को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में स्वच्छ भारत अभियान के द्वारा तथा अन्य स्वच्छता कार्यक्रमों के माध्यम से प्लास्टिक हटाओ अभियान में तेजी आयी है। प्लास्टिक व अन्य प्रकार के वेस्ट मैनेजमेंट हेतु रिड्यूस, रियूज और रीसाइकिल के सिद्धान्त को अपनाते हुए भारत सरकार व राज्य सरकार द्वारा नीति, गाईडलाईन्स व एसओपी बनाये गये हैं।

इस अवसर पर उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुख्यालय पर्यावरण भवन में प्लास्टिक अपशिष्ट से पुनः प्रयोग तथा रीसाइकिल एवं प्लास्टिक कैरी बैग के विकल्पों पर आयोजित प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में वेस्ट प्लास्टिक बोतल से बनी शॉल , जैकेट , टी-शर्ट , प्लास्टिक कैरी बैग के विकल्प के रूप में कंपोस्टेबल प्लास्टिक बैग , वेस्ट प्लास्टिक से तैयार प्लास्टिक पैनल , इमेज और जूट बैग तथा प्रतिबंधित सिंगल यूज़ प्लास्टिक उत्पादों संबंधी जानकारियों को प्रदर्शित किया गया।

घर में लगा WiFi पहुंचा सकता है जेल ! मत कीजिये ये गलती

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 फ़रवरी , WiFi हर किसी के घर में लगा होता है। साथ ही उसकी सुरक्षा भी हमारी ही जिम्मेदारी होती है। अगर आप भी WiFi को लेकर सावधानी नहीं बरतते हैं तो इससे बुरा फंस भी सकते हैं। आज हम आपको कुछ टिप्स देने जा रहे हैं, इसकी मदद से आप WiFi को हमेशा के लिए सुरक्षित रख सकते हैं। साथ ही आपको भी आज ही अपने WiFi में ये बदलाव कर लेने चाहिए।

WiFi का Password आपके अपडेट करते रहना चाहिए। कई बार देखा जाता है कि WiFi Password चेंज नहीं करने से Speed काफी स्लो हो जाती है। अगर हम WiFi Password चेंज कर देते हैं तो सभी स्मार्टफोन खुद ही डिस्कनेक्ट हो जाते हैं।

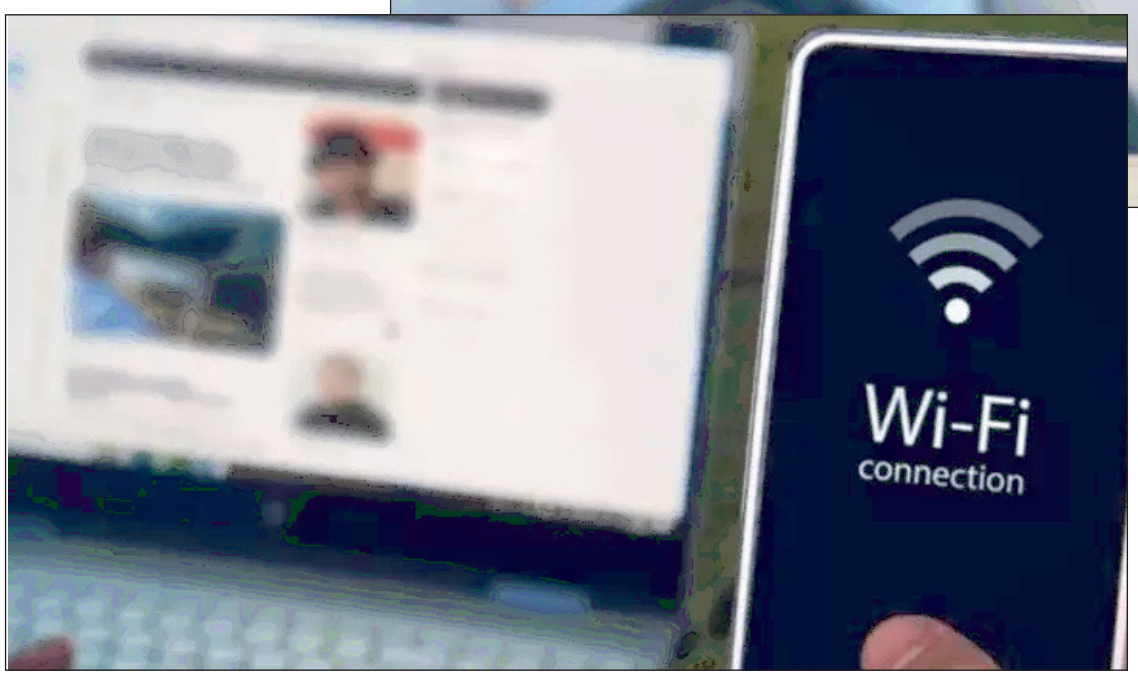

कई बार हम WiFi कनेक्ट करके भी किसी का भूल जाते हैं। इससे क्या होता है कि जब भी कोई WiFi Range में आता है तो उसका फोन खुद ही कनेक्ट हो जाता है। लेकिन WiFi Password चेंज करने से आपके साथ ऐसा नहीं होता है।

WiFi IP Address-

हर इंटरनेट कनेक्शन का एक IP Address होता है। इससे ही उसकी पहचान की जाती है। अगर कोई व्यक्ति आपके WiFi से फोन कनेक्ट करके किसी वारदात को अंजाम देता है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी आपकी होती है। यही वजह है कि आपको हमेशा अपना WiFi Update करके रखना चाहिए। अगर WiFi की मदद से किसी घटना को अंजाम दिया जाता है तो आपको जेल भी हो सकती है।

WiFi Connection-

WiFi Connections की लिस्ट भी राउटर की सेटिंग में जाकर आपको चेक करते रहना चाहिए। यहां पर भी आपके WiFi Connection से कनेक्ट सभी मोबाइल फोन की जानकारी होती है। यहां से आप आसानी से किसी भी मोबाइल फोन को कनेक्ट या डिस्कनेक्ट कर सकते हैं। अगर आपकी इजाजत से कोई स्मार्टफोन कनेक्ट नहीं हुआ है तो आपको तुरंत इसे डिस्कनेक्ट कर देना चाहिए।

100 करोड़ में बिका राज कपूर का बंगला

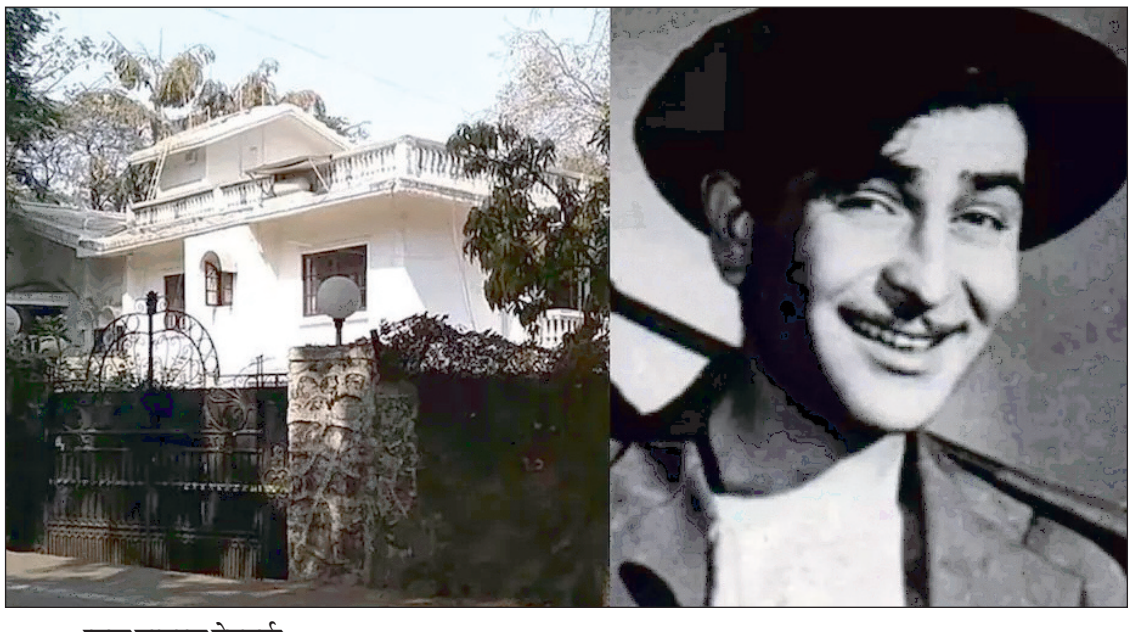

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 19 फरवरी , आरके स्टूडियो के बाद शो मैन राज कपूर का चेंबूर वाला बंगला भी बिक गया है। इसे गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने खरीदा है। राज कपूर का यह बंगला देवनार फार्म रोड पर टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज के साथ है। कंपनी इस पर एक रियल एस्टेट प्रोजेक्ट डेवलप करेगी। इसे चेंबूर का सबसे महंगा इलाका माना जाता है। यह सौदा कितने में हुआ इसकी ऑफिशियल पुष्टि तो नहीं की जा सकी है लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक इसे 100 करोड़ रुपए में खरीदा गया है।

राज कपूर के बेटे रणधीर कपूर ने कहा, 'इस प्रॉपर्टी से हमारी कई यादें जुड़ी हैं और इसका हमारे परिवार के लिए काफी महत्व है। हमें उम्मीद है कि कंपनी इसकी समृद्ध विरासत को अगले फेज में ले जाएगी।' कंपनी का कहना है कि इस बंगले को राज कपूर के परिवार वालों से खरीदा गया है और उस पर एक प्रीमियम रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट बनाया जाएगा। इससे पहले गोदरेज प्रॉपर्टीज ने मई 2019 में राज कपूर के आरके स्टूडियो को खरीदा था। वहां भी मिक्स्ड यूज प्रोजेक्ट Godrej RKS डेवलप किया जा रहा है। इसके इसी साल पूरा होने की उम्मीद है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज के एमडी और सीईओ गौरव पांडेय ने बताया कि हमें खुशी है कि कपूर परिवार ने हमें यह मौका दिया। पिछले कुछ साल में प्रीमियम डेवलपमेंट्स की डिमांड में तेजी आई है। इस पर एक शानदार रेजिडेंशियल कम्युनिटी विकसित की जाएगी। इस प्रोजेक्ट से हमें चेंबूर में अपनी स्थिति और मजबूत करने में मदद मिलेगी।

आंखों में हो रही है ड्राइनेस की समस्या तो तो करे ये काम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 फ़रवरी। अगर आपकी आंखों में खुजली या जलन होने लगती है या फिर दर्द महसूस होता है, तो जरूरी नहीं है कि हर बार एलर्जी के कारण नहीं हो रहा हो। आंखों में असुविधा, जलन और दर्दनाक स्थिति आपकी थायरॉयड ग्लैंड की समस्याओं का संकेत भी हो सकता है। सूखी आंखें को थायराइड विकार के पहले संकेत के रूप में देखा जाता है। इसलिए अगर आपकी आंखे ड्राई हो रही हैं और उनमें दर्द हो रहा है तो इसकी जांच करवाना जरूरी है, ताकि पता लगाया जा सके कि कहीं यह थायराइड का संकेत तो नहीं। क्या थायराइड के कारण सूखी आंखें की समस्या हो सकती है? जी हां, ऐसा बिल्कुल हो सकता है। हाइपरथायरायडिज्म शरीर में कई प्रणालियों को प्रभावित कर सकता है, जिसमें आंखें भी शामिल हैं। सूखी आंखों के साथ-साथ थायराइड से आंखों में खुजली या जलन हो सकती है, किरकिरी पन और दर्द महसूस हो सकता है। एक तरह से यह थायराइड रोग के पहले लक्षणों के रूप में चेतावनी देते हैं कि ऐसा हो सकता है।ड्राई आईज के संभावित कारण सूखी आंखों का सबसे आम कारण उम्र का बढ़ना होता है। जब आपकी उम्र बढ़ती है और आप मेनोपॉज की अवस्था में पहुंचती हैं तो ड्राई आईज की समस्या आम हो जाती है। हालांकि, इस दौरान कुछ चिकित्सीय स्थितियां भी होती हैं, जैसे कि-- एलर्जी-थायराइड-स्जोग्रेन सिंड्रोम-रुमेटीइड गठियाये सभी आपकी आँखों को शुष्क बना सकते हैं, और इसी तरह विटामिन ए और विटामिन डी की कमी भी इसका एक कारण हो सकते हैं। ड्राई आईज से बचने के लिए हमेशा पौष्टिक आहार लें।

सादा जीवन उच्च विचार का दूसरा नाम है पर्वत पुत्र 'भगत सिंह कोश्यारी'

मो ० सलीम सैफ़ी का विशेष आलेख - न्यूज़ वायरस नेटवर्क

विशाल हृदय के स्वामी , राजनैतिक कौशल के महारथी , सादगी और स्पष्टवादिता को अगर आप एक ही किरदार में देखना और समझना चाहते हैं तो आपको एक ऐसे शख्सियत से मिलना होगा जो पहाड़ों में कदम बढ़ाते है तो हुजूम जोड़ लेते है और जब मैदान में उतरते है तो बड़े बड़ों का गुरूर तोड़ देते है जिनका नाम उनके व्यक्तित्व जैसा ओजस्वी है , वो हैं महाराष्ट्र के पूर्व गवर्नर भगत सिंह कोश्यारी यानी हर दिल अजीज़ ₹भगत दा₹

संपूर्ण जीवन आरएसएस और पार्टी को समर्पित करने वाले भगत सिंह कोश्यारी (भगतदा) को महाराष्ट्र राज्यपाल की कुर्सी भाजपा रूपी पौधे की सिंचाई, गुड़ाई, निराई के प्रतिफल में मिली जिसका उन्होंने संवैधानिक कर्तव्य मान कर पालन किया और एक आदर्श स्थापित किया है।

किसी का यूँ कोश्यारी बन जाना आसान नहीं

आज की राजनीति में किसी का यूँ ही कोश्यारी बन जाना आसान नहीं है। इसके लिए एक तपस्वी , साधक और खरा इंसान होना ज़रूरी है जिसके धनी है पूर्व महामहिम कोश्यारी .. जिनकी जीवटता ने गरीब परिवार से निकलकर विधान परिषद सदस्य, विधायक, मुख्यमंत्री, राज्यसभा सदस्य, लोकसभा सांसद और महामहिम राज्यपाल की कुर्सी तक का सफर तय किया और अपना योगदान प्रदेश और देश को दिया है। इसीलिए तो उनके प्रतिद्वंदी भी उन्हें समर्पण और सादगी की प्रतिमूर्ति मानते है। पूर्व मुख्यमंत्री कोश्यारी के पिता गोपाल सिंह कोश्यारी किसान और मां मोतिमा देवी सामान्य घरेलू महिला थीं। माता-पिता का जीवन सादगी से भरा था। इसकी झलक बचपन से ही भगत दा में भी दिखाई देने लगीं थीं। परिवार की आजीविका का साधन खेती था। इस कारण इनका प्रारंभिक जीवन काफी गरीबी में बीता लेकिन आज उनका परिवार पूरा प्रदेश है जो अपने प्यारे भगत दा का दिल खोल कर स्वागत कर रहा है।

क्यों मिसाल है भगत दा का जीवन सफर ?

पूर्व गवर्नर कोश्यारी ने प्रारंभिक शिक्षा प्राथमिक विद्यालय महरगाड़ से प्राप्त की। जूनियर हाईस्कूल की शिक्षा घर से 8 किमी दूर शामा से हासिल करने वाले भगत दा ने हाईस्कूल की शिक्षा कपकोट से और इंटर की शिक्षा पिथौरागढ़ से हासिल की। भारी आर्थिक संकट के बीच भगत दा ने बीए और एमए की पढ़ाई अल्मोड़ा महाविद्यालय से की। एमए अंग्रेजी कोश्यारी वर्ष 1966 में आरएसएस के संपर्क में आए कोश्यारी ने संघ की मजबूती के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। आरएसएस के प्रचारक रहे कोश्यारी ने वर्ष 1977 में पिथौरागढ़ में सरस्वती शिशु मंदिर की स्थापना की। सरस्वती शिशु मंदिर में लंबे समय तक अध्यापन किया।

छात्र राजनीति से राजनीति की शुरुआत करने वाले कोश्यारी ने वर्ष 1989 में अल्मोड़ा संसदीय सीट से लोकसभा का चुनाव लड़ा। इस चुनाव में पराजय के बाद भी कोश्यारी ने जनता से जुड़ाव नहीं छोड़ा। यूपी में विधान परिषद सदस्य, उत्तराखंड की अंतरिम सरकार में ऊर्जा, सिंचाई, संसदीय कार्य मंत्री का दायित्व संभालने वाले कोश्यारी को अंतरिम सरकार में मुख्यमंत्री बनने का सौभाग्य मिला। देश के दोनों सर्वोच्च सदनों राज्यसभा और लोकसभा के सदस्य रहे कोश्यारी को आज पार्टी ने महाराष्ट्र का राज्यपाल बनाकर उनकी मेहनत, लगन, समर्पण और संघर्ष का प्रतिफल दिया है।

न्यूज़ वायरस समूह ने दी भगत दा को देवभूमि लौटने की बधाई

नामकरण के दिन हयात था नाम

भगत दा 11 भाई-बहनों में नौवीं संतान हैं। उनसे पहले 8 बहनों का जन्म हो चुका था। पारिवारिक जन बताते हैं कि कोश्यारी का नामकरण के समय हयात नाम रखा गया था। एक चचेरे भाई का नाम भी हयात होने के कारण इस होनहार बालक का नाम भगत सिंह रखा गया। कोश्यारी के छोटे भाई जगत सिंह नामती चेटाबगड़ गांव में रहते हैं। वह कई बार प्रधान रह चुके हैं। सबसे छोटे भाई नंदन सिंह कोश्यारी वरिष्ठ पत्रकार हैं।

> समुद्र के किनारे भगतदा का मन नहीं लगा क्योंकि आदरणीय भगतदा का उत्तराखंड प्रेम किसी से छुपा नहीं है,उनकी आत्मा और संवेदना पहाड़ों के लिए है,मानवता और अध्ययन उनकी प्राथमिकता है,सब कुछ छोड़कर उत्तराखंड प्रवास को चुना,अध्ययन और अध्यापन को चुना,आजकल के राजनेता नहीं बल्कि महान व्यक्तित्व है भगतदा,एक सोच है भगतदा,एक युग है भगतदा...जय भगतदा,जय उत्तराखंड,जय भारत
>
> **- सलीम सैफ़ी , सीईओ , न्यूज़ वायरस**

सादा जीवन उच्च विचार का दूसरा नाम है पर्वत पुत्र 'भगत सिंह कोश्यारी'

एटा इंटर कॉलेज में प्रवक्ता रहे कोश्यारी

अल्मोड़ा से एमए की पढ़ाई करने के बाद भगत सिंह कोश्यारी वर्ष 1964 में एटा (उत्तर प्रदेश) के राजा रामपुर इंटर कॉलेज में बतौर प्रवक्ता नियुक्त हुए। कुछ समय तक अध्यापन कार्य करने वाले कोश्यारी पिथौरागढ़ लौट आए और इसी धरती को अपनी कर्मभूमि बना लिया।

पर्वत पीयूष साप्ताहिक समाचार पत्र का किया था संपादन

वर्ष 1975 में पर्वत पीयूष साप्ताहिक समाचार पत्र का संपादन और प्रकाशन का कार्य करने वाले कोश्यारी जनसमस्याओं से सीधे जुड़े रहे। अपनी बेबाक टिप्पणी, संपादकीय और अग्रलेखों से जनसमस्याओं को निर्भीकता और निष्पक्षता के साथ उठाते रहे। आज भी पर्वत पीयूष का बदस्तूर प्रकाशन होता है। कोश्यारी के भाई वरिष्ठ पत्रकार नंदन सिंह कोश्यारी इस पत्र का संपादन करते हैं। भगत दा ने उत्तरांचल प्रदेश क्यों पुस्तिका से राज्य स्थापना की मुहिम छेड़ी।

आपातकाल में दो साल तक जेल में रहे कोश्यारी

आपातकाल में भगत सिंह कोश्यारी करीब दो साल तक अल्मोड़ा और फतेहगढ़ जेल की यात्रा की। आपातकाल में 3 जुलाई 1975 से 23 मार्च 1977 तक वह जेल में बंद रहे। जेल यात्रा के दौरान भी कोश्यारी अपने साथी आंदोलनकारियों के लिए उत्प्रेरक की भूमिका में रहे।

भगतदा की सादगी बेमिसाल

भगत दा को सादगी की प्रतिमूर्ति माना जाता है। भगत दा ने वर्ष 2001 में राज्य के मुख्यमंत्री बनने के बाद पिथौरागढ़ आए तो दिनभर के व्यस्ततम कार्यक्रम के बाद रात्रि में फुरसत मिली तो अपने पिथौरागढ़ स्थित आवास पर पहुंचे। खिचड़ी खाई और उसी पुरानी पटखाट पर सो गए, जिसमें दशकों से सोते थे। आज भी भगत दा पिथौरागढ़ प्रवास के दौरान पटखाट पर ही सोते हैं। उनका प्रिय भोजन खिचड़ी है।

भगत सिंह कोश्यारी का जीवन देश की सेवा में रहा समर्पित -

भारतीय राजनीति की धरोहर बन चुके भगत सिंह कोश्यारी ने बीजेपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और उत्तराखंड के लिए पार्टी के पहले राज्य अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। उन्होंने 2001 से 2002 तक उत्तराखंड (पूर्व में उत्तरांचल) के दूसरे मुख्यमंत्री के रूप में भी कार्य किया और उसके बाद, 2002 से 2007 तक उत्तराखंड विधान सभा के विपक्ष के नेता थे। उन्होंने उत्तर प्रदेश विधान परिषद में एमएलसी के रूप में भी कार्य किया है (जब उत्तराखंड अविभाजित उत्तर प्रदेश का हिस्सा था) और उत्तराखंड विधानसभा में विधायक के रूप में नियुक्त हुए। इसके बाद उत्तराखंड से 2008 से 2014 तक राज्यसभा में एक सांसद के रूप में सेवा दी और वर्तमान में नैनीताल-उधमसिंह नगर निर्वाचन क्षेत्र से 16 वीं लोक सभा में सांसद हैं। उन्हें राज्य विधायी विधानसभा और राष्ट्रीय संसद के दोनों सदनों में निर्वाचित होने का गौरव प्राप्त हुआ। अब एक बार फिर भगत दा अपने घर लौटे हैं दिल में तमाम आरजू है , आँखों में उम्मीदें हैं और दिमाग में उत्तराखंड को सर्वोत्तम राज्य बनाने की शानदार रणनीति है।

उपनिरीक्षक सन्दीप बिष्ट ने जीता गोल्ड - डीजीपी ने दी बधाई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 18 फ़रवरी , भोपाल, मध्यप्रदेश में आयोजित हो रही 66th All India Police Duty Meet 2023 की Lifting, Packing and Forwarding of Evidences स्पर्धा में उपनिरीक्षक सन्दीप बिष्ट ने स्वर्ण पदक अर्जित कर प्रदेश और उत्तराखण्ड पुलिस का मान बढ़ाया है। पुलिस महानिदेशक उत्तराखण्डअशोक कुमार ने सन्दीप की इस उपलब्धी के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

पहाड़ी जिलों में जल्द मिलेगी स्पेशलिस्ट डॉक्टरों का सुविधा : डॉ आर. राजेश कुमार, स्वास्थ्य सचिव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 18 फरवरी , प्रदेश के पर्वतीय जनपदों के लोगों को शीघ्र मिलेगा स्पेशलिस्ट डॉक्टरों का लाभ यह बात स्वास्थ्य सचिव डॉ आर. राजेश कुमार द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत 'यू कोट, वी पे' के माध्यम से स्पेशलिस्ट डॉक्टरों के हुए साझात्कार में उत्साह को देखते हुए कही। डॉ. आर राजेश कुमार द्वारा बताया गया कि प्रदेश के पर्वतीय जनपदों में प्रायः देखा गया है कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर, दवाईयां, आधुनिक

■ 'यू कोट, वी पे' मॉडल के प्रथम चरण में मिला अच्छा रिस्पांस

चिकित्सा उपकरण की सुविधाएँ हैं पर प्रदेश के कुछ स्थानों पर स्पेशलिस्ट डाक्टरों के रिक्त पदों के कारण आमजन को पूर्णता सुविधाओं का लाभ नही मिल पा रहा था। शीघ्र ही इन रिक्त पदों पर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की नियुक्ति हो जाएगी, जिससे आम जन को गुणवत्ता पूर्ण उच्च स्वास्थ्य सुविधा अपने नजदीकी चिकित्सालय में मिल सकेगी ताकि स्थानीय निवासियों को स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं का लाभ अपने ही क्षेत्र में मिल सके।स्वास्थ्य सचिव ने बताया की प्रथम चरण में 47 स्पेशलिस्ट डॉक्टर जिसमें पैथोलॉजिस्ट, गायनोलॉजिस्ट, एनेस्थेटिक, सर्जन, पीडियाट्रिशन, ऑर्थोपेडिक, आदि ने साझात्कार में प्रतिभाग किया गया है। शीघ्र ही 'यू कोट, वी पे' मॉडल का दूसरा चरण भी किया जाएगा। उन्होंने बताया चयनित डॉक्टरों की सूची तैयार कर जल्द नियुक्ति दी जाएगी जिससे की आमजन को स्वास्थ्य लाभ मिल सके।

अग्निवीर : जानें कैसे होता है सेना का फिजिकल टेस्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 फरवरी , इंडियन आर्मी में अग्निवीर की नई भर्ती की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है. सेना ने अपनी वेबसाइट joinindianarmy.nic.in पर यूपी, बिहार, राजस्थान, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों के लिए डिस्ट्रिक्ट वाइज Agniveer Rally 2023 का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है. 16 फरवरी से अग्निवीर का फॉर्म भी भरा जाने लगा है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक कैंडिडेट का अग्निवीर फिजिकल टेस्ट आर्मी कैसे लेती है? उसकी हाईट, वेट और चेस्ट साइज को लेकर क्या नियम हैं?केंद्र सरकार द्वारा 2022 में जारी अग्निपथ स्कीम के तहत 10वीं, 12वीं पास के लिए ये आर्मी रिक्रूटमेंट शुरू की गई थी. अगर Agniveer सेलेक्शन प्रॉसेस की बात करें, तो पहले ऑनलाइन एग्जाम लिया जाता है. उसके बाद Agniveer Recruitment Rally होती है. इस रैली में आपकी शारीरिक परीक्षा ली जाती है. फिजिकल स्टैंडर्ड टेस्ट होता है.

Army Agniveer Physical for Men डिटेलअग्निवीर फिजिकल एग्जाम के लिए सेना के कुछ तय मानक हैं, जो महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग हैं. पहले पुरुषों के लिए निर्धारित स्टैंडर्ड जानते हैं-लंबाई- 170 सेमी (सिर्फ अग्निवीर क्लर्क/ स्टोर कीपर के लिए यह 162 सेमी है)वजन- आपकी लंबाई के मुताबिक मेडिकल पॉलिसी के अनुसार (स्टैंडर्ड BMI यानी बॉडी मास इंडेक्स के तहत)सीना- 77 सेमी (+5 सेमी)

नोटः इन लोगों को हाईट में 2 सेमी, चेस्ट में 1 सेमी और वजन में 2 केजी की छूट मिलेगी- आर्मी स्टाफ, पूर्व कर्मचारी, युद्ध में विधवा हुईं या पूर्व कर्मियों की विधवा के बेटों, वॉर विडो द्वारा गोद लिए बेटे या दामाद (अगर अपना कोई बेटा नहीं है). इसके अलावा नेशनल, स्टेट,

डिस्ट्रिक्ट, स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी लेवल पर शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को लंबाई में 2 सेमी, चेस्ट में 3 सेमी और वजन में 5 किलो की छूट मिलेगी. गोरखा, लद्दाख, ट्राइबल क्षेत्रों, अंडमान निकोबार, गार्ड ब्रिगेड, मिलिट्री पुलिस कॉर्प्स समेत अन्य कैटेगरी में अभ्यर्थी की लंबाई 155 सेमी से 173 के बीच अलग-अलग है. डिटेल आगे दिए नोटिफिकेशन में देखें.

अग्निवीर फिजिकल फिटनेस टेस्ट (पुरुष)

1.6 KM की दौड़ः ग्रुप 1 को 5 मिनट 30 सेकंड, ग्रुप 2 को 5 मिनट 31 सेकंड से लेकर 5 मिनट 45 सेकंड में पूरी करनी होगी.Pull Up (Beam): 10 पुल-अप करने पर 40 अंक, 9 पुल अप के लिए 33, 8 के लिए 27, 7 के लिए 21 और 6 पुल अप करने पर 16 अंक मिलेंगे.9 Feet Sitch: क्वालिफाई करना जरूरी है.Zig-Zag Balanceः क्वालिफाई करना जरूरी है.Agniveer Physical for Women डिटेल

हाईट- 162 सेमीवजन- आर्मी मेडिकल स्टैंडर्ड के अनुसार आपकी लंबाई के मुताबिक सही अनुपात में होनी चाहिए.चेस्ट एक्पैंशन- 5 सेमी तक सीना फुलाने की क्षमता होनी चाहिए.नोटः सिक्कम, नगालैंड, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा, मिजोरम, मेघालय, असम, गोरखा, गढ़वाली, लद्दाखी, आदिवासी क्षेत्रों की महिलाओं को लंबाई में 4 सेमी की छूट दी जाएगी. इसके अलावा एक्स आर्मी पर्सन की बेटियों, सैनिकों की विधवा की बच्चियों, खिलाड़ियों को लंबाई में 2 सेमी की छूट मिलेगी.

आर्मी अग्निवीर फिजिकल फिटनेस टेस्ट (महिला)

1.6 किमी की दौड़ः ग्रुप 1 में 7 मिनट 30 सेकंड, ग्रुप 2 में 8 मिनट में पूरी करनी होगी.10 फीट Long Jumpः क्वालिफाई करना जरूरी है.3 Feet High Jumpः क्वालिफाई करना जरूरी है.

उत्तराखंड के युवाओं के लिए अग्निवीर भर्ती के आवेदन शुरू

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 फ़रवरी। सेना में भर्ती की अग्निपथ योजना के तहत इस बार भर्ती दो चरणों में होगी। पहले चरण में ऑनलाइन कॉमन एग्जाम होगा, जो कि कंप्यूटर आधारित होगा। दूसरा चरण भर्ती रैली का होगा। उत्तराखंड के युवाओं के लिए अग्निवीर भर्ती के आवेदन शुरू हो गए हैं। आर्मी रिक्रूटमेंट ऑफिस (एआरओ) अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ और लैंसडौन ने भर्ती के नोटिफिकेशन जारी कर दिए हैं। इस बार युवाओं को पहले कंप्यूटर आधारित परीक्षा देनी होगी, फिर भर्ती रैली होगी।

सेना में भर्ती की अग्निपथ योजना के तहत इस बार भर्ती दो चरणों में होगी। पहले चरण में ऑनलाइन कॉमन एग्जाम होगा, जो कि कंप्यूटर आधारित होगा। दूसरा चरण भर्ती रैली का होगा। आवेदकों को 250 रुपये आवेदन शुल्क जमा कराना होगा। यह शुल्क ऑनलाइन एग्जाम के लिए रखा गया है। सेना की ओर से जारी सूचना के मुताबिक, प्रति उम्मीदवार 500 रुपये खर्च आ रहा है, जिसका आधा 50 प्रतिशत सेना वहन करेगी। ई-मेल, मोबाइल नंबर, आधार नंबर देना अनिवार्य होगा। सभी अभ्यर्थियों को परीक्षा के हर चरण में अपना आधार कार्ड बतौर प्रमाण साथ रखना होगा। भर्ती के लिए 15 मार्च तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। भर्ती की परीक्षाएं 17 अप्रैल से 30 अप्रैल के बीच होंगी। ज्वाइन इंडियन आर्मी की वेबसाइट के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है।

राज्यपाल ने की नीब करौरी मन्दिर व गोलू देवता घोड़ाखाल मंदिर में दर्शन कर पूजा-अर्चना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने तीन दिवसीय भ्रमण के दौरान जनपद नैनीताल क्षेत्र में हनुमन्त अवतार परमपूज्य बाबा नीब करौरी महाराज जी के साथ ही न्याय के देवता, गोलू देवता घोड़ाखाल मंदिर में दर्शन कर पूजा अर्चना की तथा देश व प्रदेश की खुशहाली समृद्वि, प्रगति की कामना की।

राज्यपाल ने कहा कि इन स्थानों में पवित्रता, भव्यता, दिव्यता है वह अपने आप में एक अलग शक्ति है, ऐसा लगता है कि आज मैंने साक्षात दर्शन किये। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड देवभूमि, वीरभूमि एवं संतो की भूमि है। राज्यपाल ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी ने बाबा केदारनाथ के प्रांगण से कहा था कि आने वाला दशक उत्तराखण्ड का होगा। उन्होंने कहा कि इन स्थानों पर जो दिव्यता है उससे भारत को विकसित राज्य एवं विश्व गुरु बनने से कोई नहीं रोक सकता है। नीब करौरी मन्दिर के प्रबन्धक दिनेश चन्द्र त्रिपाठी एवं न्याय के देवता गोलू देवता घोड़ाखाल मन्दिर के पुजारी कुंवर चन्द्र जोशी ने राज्यपाल को मन्दिरों की दिव्य शक्ति की विस्तृत जानकारी दी। इसके उपरांत राजभवन में कुलपति एन.के. जोशी ने राज्यपाल से भेंट कर विश्वविद्यालय के विभिन्न बिन्दुओं पर भी चर्चा की। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी शिवचरण द्विवेदी, उपजिलाधिकारी राहुल साह, पारितोष वर्मा, पुलिस क्षेत्राधिकारी विभा दीक्षित सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

हिमखंड पिघलने से झेलनी पड़ेगी भीषण गर्मी - जानिए जेट स्ट्रीम क्या है ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 फ़रवरी , देश में मौसम का हिसाब किताब बिगड़ रहा है। सर्दी कम पड़ती है तो गर्मी प्रचंड , मौसम बारिश का हो तो ज़मीन सुखी रहती है और बेमौसम की बरसात से जन जीवन हैरान हो जाता है। ताज़ा संभावनाएं भी हैरान करने वाली है। शीतकाल में लगातार वर्षा में कमी के बाद अब तेजी से बढ़ रहा तापमान चिंता का विषय बनता जा रहा है।देश में सक्रिय पश्चिमी जेट वायु धारा से मौसम का मिजाज चौंका रहा है। हिमालयी राज्य उत्तराखंड में भी इसका व्यापक असर पड़ने की आंशका है। खासकर पर्वतीय क्षेत्रों में तापमान में अप्रत्याशित वृद्धि हो सकती है। जिससे हिमखंड पिघलने और हिमस्खलन की आशंका है। इसके साथ ही प्रदेश में गर्मी का एहसास भी होने लगा है। अगले पांच दिन तापमान में अत्यधिक वृद्धि को लेकर मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है।

शीतकाल में प्रदेश में औसत वर्षा में 70 प्रतिशत से अधिक कमी दर्ज की गई। वर्षा और

बर्फबारी कम होने से दिसंबर-जनवरी में भी सामान्य से कम ठंड रही है और ज्यादातर समय वातावरण शुष्क रहा। अब फरवरी का दूसरा पखवाड़ा शुरू होने के साथ ही तापमान में लगातार वृद्धि होने लगी है और दिन में गर्मी का एहसास हो रहा है। हालांकि, सुबह-शाम ठिठुरन बरकरार है। तापमान वृद्धि का कारण मौसम विज्ञानी देश में सक्रिय पश्चिमी जेट वायु धाराओं को बता रहे हैं।

इनकी वजह से पर्वतीय क्षेत्रों में समतापीयमंडल की ओर से गर्म हवाएं और वायुदाब में परिवर्तन देखने को मिल रहा है। यह जेट वायु धारा का असर पिछले कुछ वर्षों से बेहद कम देखने को मिल रहा था। जिसकी वजह से तापमान में एकरूपता बनी हुई है। लेकिन, इस बार अत्यधिक सक्रियता के कारण उत्तराखंड में पश्चिमी जेट वायु धारा का व्यापाक असर देखने को मिल सकता है।

आपको बताते हैं क्या होता है - जेट वायु धारा

जेट वायु धारा भारतीय जलवायु को प्रभावित करने वाले कारकों में से एक है।जेट स्ट्रीम या जेट वायु धाराएं ऊपरी वायुमंडल में विशेषकर समताप मंडल में तेज गति से प्रवाहित होने वाली हवाएं हैं।इसकी प्रवाह की दिशा जलधाराओं की तरह ही निश्चित होती है।यह दो प्रकार की होती है, पश्चिमी जेट स्ट्रीम और पूर्वी जेट स्ट्रीम। पश्चिमी जेट स्ट्रीम स्थायी जेट स्ट्रीम है।इसका आंशिक प्रभाव वर्षभर रहता है।इसके प्रवाह की दिशा मुख्य रूप से पश्चिम और उत्तर भारत से दक्षिण की ओर रहती है और यह शीतकाल में शुष्क हवाओं के लिए उत्तरदायी है।सतह पर गर्म हवाओं से बनने वाला निम्न दबाव क्षेत्र तापमान वृद्धि का कारण है।पूर्वी जेट स्ट्रीम की दिशा दक्षिण-पूर्व से लेकर पश्चिमोत्तर भारत की ओर है। यह अस्थायी प्रवाह है और इसका असर वर्षाकाल में ही दिखता है।

दोस्तों से निजी बातें शेयर करने में हिचकिचाते हैं, स्टूडेंट्स ये है वजह

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 18 फ़रवरी। आपने पिछली बार कब अपने दोस्त से अपनी निजी बातें शेयर की थी. इसके बाद आपको कैसा महसूस हुआ था? क्या इससे नजदीकियां बढ़ी या फिर आपको पछतावा हुआ? ये कुछ ऐसे सवाल हैं, जिनका जवाब न्यूयॉर्क टाइम्स ने अमेरिका के स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों से पूछा।

इस पर कई छात्रों ने बताया कि उन्हें अपने मन की बात साझा करने में परेशानी आती है। दरअसल, दूसरों के प्रति संवेदनशील होने से हमें संबंध बनाने और संबंधों को गहरा बनाने में मदद मिल सकती है, लेकिन कई बार यह डरावना भी साबित हो सकता है। छात्रों ने दूसरों के सामने खुलकर बात करने से जुड़ी कई चिंताओं को इस सर्वे में शेयर किया। छात्रों को इस बात का सबसे ज्यादा डर है कि उनकी निजी बातें कहीं स्कूल में होने वाली गॉसिप का मुद्दा न बन जाएं। ऐसे में वे अपने अन्य दोस्तों के लिए बोझ की तरह महसूस कर सकते हैं। लिहाजा वे अपने मन की बातें किसी दूसरे छात्र से शेयर करने में हिचकिचाते हैं।

हालांकि इसका सकारात्मक पहलू यह है कि गोपनीय बातें साझा करने से नजदीकियां बढ़ती हैं। उन्हें दुनिया में कम अकेलापन महसूस होता है। स्टडी में शामिल माया ब्रुकलिन ने बताया कि आम तौर पर जब वे दोस्तों को कुछ व्यक्तिगत या कुछ और बताते हैं तो कुछ समय के लिए यह रहस्य रहता है। लेकिन बाद में इन बातों के आधार पर उन्हें आंका जाता है. इससे वे असहज हो जाते हैं। ओलिविया ने बताया कि अक्सर जब वे दोस्तों को मैसेज भेजते हैं तो उस मैसेज को दोबारा पढ़कर अफसोस महसूस करते हैं। उन्हें चिंता रहती है कि इससे उनकी छवि को खराब किया जा सकता है। स्टूडेंट अन्य छात्रों पर भरोसा जताने और उन पर विश्वास करने में कठिनाईयों का सामना कर रहे हैं। इसके चलते वे अपनी कई बातें अपने तक ही सीमित रखते है ताकि वे दूसरों के फैसले और सहानुभूति का पात्र बनने से बचे रहे।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को मिली विज्ञान वारिधि की मानद उपाधि

न्यूज वायरस नेटवर्क

पंतनगर, 18 फरवरी , देश के प्रथम कृषि विश्वविद्यालय एवं हरित क्रांति की जननी पंतनगर में आयोजित 34वे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उत्तराखण्ड के राज्यपाल एवं कुलाधिपति ले. जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह द्वारा 2503 विद्यार्थियों को उपाधि व दीक्षा प्रदान की गयी। इस अवसर पर महामहिम ने कहा कि पी.एचडी. एक अलग ही लेवल है और आज से 275 उपाधि धारक डॉक्टर कहलाएंगें। इस क्षण डिग्री एवं मेडल लेने आए विद्यार्थियों में एक अलग ही उत्साह दिखा जोकि बहुत ही अहम है। आज उत्तराखण्ड की बेटियों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है, यहां तक कि एक परिवार की दो बहनों ने मेडल हासिल किया है।

उन्होंने विद्यार्थियों के माता-पिता और गुरूजनों को हार्दिक बधाई दी और विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे अपने माता-पिता, गुरूजन एवं साथी को न भूले। दीक्षांत समारोह एक महोत्सव की तरह होता है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि आप सपने देखिए और संकल्प लिजिए। पंतनगर हरित क्रांति की जननी रहा है और पुनः बीज, कृषि और औद्यानिकी में क्रांति लाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हम यदि पूरी जिम्मेदारी से योगदान करे तो हमें विकसित राष्ट्र और विश्वगुरू होने से कोई रोक नहीं सकता। उन्होंने कहा कि त्रिशूलल की तरह तीन बातों को विद्यार्थी धारण करें, प्रथम आप स्वयं की योग्यता को पहचाने, द्वितीय सोच-विचार एवं धारणा को बहुत उच्चे स्तर पर लें जाएं और तृतीय स्वयं को अनुशासन में बनाएं रखें। उन्होंने कीर्ति चक्र से सम्मानित राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को विज्ञान वारिधि की मानद उपाधि से सम्मानित किये जाने पर बहुत हर्ष व्यक्त किया।

दीक्षांत समारोह के अवसर पर राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को विज्ञान वारिधि की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डोभाल ने कहा कि यह विश्वविद्यालय हमारे राष्ट्र के लिए गौरव का एक स्तम्भ चिन्ह है। हमारे लिए यह सौभाग्य की बात है कि हमें यहां आने का अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय ने देश की सेवा उस समय की है कि जब हमारे देश में अकाल की स्थिति थी और अन्य देशों से खाद्यान्न का आयात करना पड़ता था। आज हम खाद्यान्न में सक्षम ही नहीं बल्कि अन्य देशों को निर्यात कर रहे हैं।

उन्होंने आजादी के समय व वर्तमान समय में भारत-चीन की कृषि भूमि व खाद्यान्न उत्पादन का तुलनात्मक विवरण देते हुए कहा कि चीन कम भूमि होते हुए भी 682 मैट्रिक टन अनाज उत्पादन कर रहा है जबकि भारत 315 मेट्रिक टन उत्पादन कर रहा है। चीन में खाद्यान्न उत्पादन की कीमत 10367 बिलियन डॉलर है जबकि भारत की कीमत 407 बिलियन डॉलर है। उन्होंने कहा कि चीन के पास हम से कम भूमि होते हुए भी हमसे ज्यादा प्रोडक्टिविटी है। उन्होंने कृषि क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों तथा संस्थानों के लिए कहा कि अगर चीन कम भूमि होते हुए भी हमसे अधिक खाद्यान्न उत्पादन करता है तो आपके लिए ये चेलेंज बॉर्डर पर खड़े सैनिकों के चेलेंज से कम नहीं है। किसान साइटिंस्ट शोधकताओं तथा संस्थाओं के लिए यह एक चुनौती है।

उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा, देश की सम्प्रभुता, देश की मजबूती, रक्षा और सुरक्षा का बहुत बड़ा आयाम है। उन्होंने वैज्ञानिकों एवं शोध कर्ताओं के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि हमें खाद्यान्न उत्पादन में वृद्धि करने के लिए और अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है। राष्ट्र सुरक्षा के लिए खाद्य सुरक्षा एक महत्वपूर्ण आयाम है। उन्होंने छात्रों और युवा वैज्ञानिकों से अगले दस वर्षों में उत्पादन को बढ़ाने में योगदान हेतु आह्वान किया।

संपादकीय

रक्षा में आत्मनिर्भरता

देश के सैनिक साजो-सामान की खरीद के बजट का 75 फीसदी हिस्सा घरेलू उद्योगों के उत्पादों के लिए चिन्हित किया जायेगा. अगले महीने समाप्त हो रहे वर्तमान वित्त वर्ष 2022-23 में यह आंकड़ा 68 प्रतिशत तय किया गया था. इससे स्पष्ट होता है कि देश में रक्षा उत्पादन में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हो रही है. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उचित ही कहा है कि इससे भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को बेहतर करने तथा अर्थव्यवस्था में तेजी लाने में मदद मिलेगी. इस निर्णय का अर्थ यह है कि 2023-24 में लगभग एक लाख करोड़ रुपये के सैन्य साजो-सामान घरेलू बाजार से खरीदे जायेंगे. एक फरवरी को प्रस्तावित बजट में रक्षा आवंटन में बीते साल की तुलना में 12.95 फीसदी की बढ़ोतरी की गयी है. यह आवंटन अब 5.93 लाख करोड़ हो गया है. नये उपकरण और गोला-बारूद की खरीद के मद में बढ़ोतरी 6.57 फीसदी हुई है, जो अब 1.62 लाख करोड़ रुपये हो गया है. बीते साल यह आवंटन 1.52 लाख करोड़ रुपये था. सरकार ने एक लंबी सूची बनायी है, जिसमें उल्लिखित चीजों को केवल देश में ही खरीदा जा सकता है. कुछ वर्षों से अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों की तरह रक्षा में आत्मनिर्भरता बढ़ाना प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है. संबंधित उत्पादन में तेजी लाने के लिए सरकार ने नीतिगत सुधार करते हुए विदेशी निवेश को भी प्रोत्साहित किया है. इससे आयात पर हमारी आत्मनिर्भरता में कमी तो आ ही रही है, साथ ही रक्षा निर्यात भी बढ़ रहा है. वर्ष 2017 में भारत का कुल रक्षा निर्यात 1,520 करोड़ रुपये था, जो 2021-22 में 14 हजार करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया. बीते दिनों एयरो इंडिया प्रदर्शनी के उद्घाटन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने निर्माण और उत्पादन की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए निवेशकों को आने का आह्वान किया है. इस प्रदर्शनी में 80 हजार करोड़ रुपये के निवेश समझौते हुए भी हैं. घरेलू बाजार में जो उत्पादन हो रहा है, उसमें सामान्य कल-पूर्जों से लेकर हेलीकॉप्टर, पनडुब्बी, युद्धपोत, टैंक, टोप, राइफल, छोटे हथियार सब शामिल हैं. भारतीय सशस्त्र सेनाओं में खरीद के साथ कई देशों को हो रहे निर्यात से यह भी इंगित होता है कि इन उत्पादों की गुणवत्ता स्तरीय है. यह सब ऐसे समय में हो रहा है, जब हमारी तीनों सेनाओं के आधुनिकीकरण की प्रक्रिया चल रही है. भारत की नीति अब यह है कि बहुत आवश्यक होने पर ही कोई वस्तु बाहर से खरीदी जायेगी, अन्यथा उसे देश में ही बनाने का प्रयास किया जायेगा. विदेशी कंपनियों के साथ साझेदारी से तकनीकों के आदान-प्रदान में भी वृद्धि हो रही है. साथ ही, कई स्टार्ट-अप भी आ रहे हैं.

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

राज्यपाल ने दी प्रदेशवासियों को महाशिवरात्रि की बधाई एवं शुभकामनाएं

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने प्रदेशवासियों को महाशिवरात्रि की बधाई दी है। राज्यपाल ने कहा कि महाशिवरात्रि भगवान शिव एवं माँ पार्वती के विवाह का पावन दिन है। यह शिव-शक्ति के मिलन का पर्व है। भारतीय संस्कृति में इस पर्व का अत्यंत महत्व है। राज्यपाल ने महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर भगवान भोलेनाथ से प्रदेशवासियों के जीवन में सुख-शांति और समृद्धि की कामना की है।

मुख्यमंत्री ने दी प्रदेशवासियों को महाशिवरात्रि के पावन पर्व की बधाई और शुभकामनाएं

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को महाशिवरात्रि के पावन पर्व की बधाई और शुभकामनाएं दी है। इस अवसर पर जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पावन पर्व शिव एवं शक्ति की आराधना का पर्व है। समाज को प्रेम एवं सद्भाव का संदेश भी यह पर्व देता है। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने इस पावन पर्व पर प्रदेशवासियों की खुशहाली एवं समृद्धि की कामना करते हुए कहा कि महाशिवरात्रि का पर्व असत्य से सत्य की ओर ले जाने की राह भी प्रशस्त करता है।

अजय भट्ट ने किया शिवरात्रि मेले का शुभारंभ

हल्द्वानी। पिनरो गांव से पांच किलोमीटर दूर स्थित छोटा कैलाश मंदिर भगवान शिव के धाम नाम से मशहूर है। हर साल शिवरात्रि पर हजारों श्रद्धालु यहां भगवान शिव की पूजा अर्चना करने पहुंचते हैं। शुक्रवार को केंद्रीय रक्षा एवं पर्यटन राज्य मंत्री अजय भट्ट ने यहां तीन दिवसीय शिवरात्रि मेले का शुभारंभ किया। छोलिया नृत्य एवं कलश यात्रा के साथ अजय भट्ट का स्वागत किया गया। अजय भट्ट ने सभी को शिवरात्रि की बधाई देते हुए कहा कि पर्यटन के माध्यम से यहां के आस्था और पर्यटन के केंद्र को मुख्यधारा से जोडने का प्रयास किया जाएगा।

देश में अंगदान करना हुआ आसान सरकार ने बनाई नई पॉलिसी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 फ़रवरी , केंद्र सरकार ने ऑर्गन डोनेशन और ट्रांसप्लांट के लिए 'वन नेशन वन पॉलिसी' लागू करने का फैसला किया है। पॉलिसी लागू करने की तैयारी शुरू हो गई है और राज्यों के साथ लगातार बातचीत जारी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक इसमें कई महत्वपूर्ण प्रावधान लाए गए हैं और जीवन जीने के अधिकार को ध्यान में रखते हुए यह पॉलिसी तैयार की गई है। भारत में ऑर्गन डोनेशन को बढ़ावा देने की दिशा में भी यह पॉलिसी काफी महत्वपूर्ण होगी।

इलेक्ट्रॉनिक बाजार- स्मार्टफोन जो आपके बजट के अनुकूल हों ।

देश में बढ़ रहा है ऑर्गन डोनेशन और ट्रांसप्लांट

एक बड़ी आबादी वाले देश में लोगों को इसके जरिए जागरुक करने की भी कोशिश की जा रही है, साथ ही स्कूलों में भी बच्चों को इस बारे में पढ़ाया जाएगा। हालांकि देश में ऑर्गन डोनेशन और ट्रांसप्लांट बढ़ रहा है और 2013 के मुकाबले 2022 में यह नंबर कई गुना तक बढ़ा है। वन नेशन, वन पॉलिसी के जरिए ऑर्गन डोनेशन और ट्रांसप्लांटेशन की प्रक्रिया को आसान बनाने की कोशिश की गई है। अभी अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग पॉलिसी लागू है, जिसे अब राज्यों के साथ चर्चा करके एक पॉलिसी पर सहमति बनाई जा रही है।

2022 में कुल 15561 ऑर्गन ट्रांसप्लांट हुए हैं, जबकि कुछ साल पहले 2013 में यह संख्या 4990 थी। कोविड के समय ऑर्गन ट्रांसप्लांट की संख्या कम हुई थी, लेकिन 2022 में यह संख्या बढ़ी है। वहीं, मंत्रालय

का कहना है कि इसे लेकर समाज में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। सभी आयुवर्ग के बच्चों के लिए स्कूल के करिकुलम में एक चैप्टर तैयार किया गया है। बच्चों को जागरूक किया जाएगा ताकि वे अपने पैरेंट्स और आसपास रहने वाले लोगों को इस बारे में बताए।

सेंट्रलाइज्ड वेटिंग लिस्ट

सेंट्रलाइज्ड वेटिंग लिस्ट बनेगी और इस लिस्ट के बनने के बाद जरूरतमंद को ऑर्गन मिलने में आने वाली परेशानियां काफी कम होंगी। अभी व्यक्ति को अपने ही राज्य में रजिस्ट्रेशन करना पड़ता था और वह अपने ही राज्य में ऑर्गन ले सकता था। लेकिन अब वह किसी भी राज्य में रजिस्ट्रेशन करवा सकता है और ऑर्गन हासिल कर सकता है। इस पॉलिसी के बारे में राज्यों के साथ बातचीत लगातार चल रही है।

मोदी सरकार लांच करेगी ओटीटी प्लेटफॉर्म, ये है प्लान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 फ़रवरी , आजकल ओटीटी का जमाना है। दर्जनों ओटीटी प्लेटफॉर्म आपकी उँगलियों पर मौजूद हैं जिसमें यूजर अपनी पसंद की सीरीज या फिल्म देख सकते हैं। ओटीटी की लोकप्रियता को देखते हुए बॉलीवुड कलाकार भी इसके अंदर अपना हाथ आजमा रहे हैं। इस बीच खबर यह है कि केंद्र सरकार अपना खुद का ओटीटी प्लेटफॉर्म लाने वाली है। वहीं सरकार की एफएम रेडियो को गांव-गांव तक पहुंचाने की भी योजना है। एफएम रेडियो के लिए सरकार बोली लगवाएगी। सरकार की इस योजना की जानकारी सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव अपूर्वा चंद्रा ने दी है।

सरकार का नया प्लान जान लीजिए

ब्रॉडकास्ट इंजीनियरिंग सोसायटी एक्सपो कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सचिव अपूर्वा चंद्रा ने बताया कि सरकार का प्लान है कि एफएम रेडियो

को इस साल टियर-2 और टियर-3 शहरों तक पहुंचाना है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत में इस समय बड़ी संख्या में FM रेडियो स्टेशन हैं लेकिन उनकी सेवाएं देश की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए 60 फीसदी ही हैं। उन्होंने आगे कहा कि हम 2023-24 में ओटीटी

सत्यमेव जयते
PRASAR BHARATI
India's Public Service Broadcaster

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर
INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY KANPUR

प्लेटफॉर्म लाने की योजना भी बना रहे हैं। उन्होंने आगे जोड़ते हुए कहा कि टेलीविजन सिग्नल मोबाइल फोन तक कैसे पहुंचेगा इसके लिए IIT कानपुर और संख्या लैब ने कर्तव्य पथ और उसके आस-पास ऐसे ट्रांसमीटर इंस्टॉल किए हैं।

प्रसार भारती का प्रसार बढ़ाने के लिए होंगे करोड़ों खर्च

अपूर्वा चंद्रा ने मीडिया को बताया कि अब आप मोबाइल फोन पर टेलीविजन से आए सिग्नल सीधे तौर पर प्राप्त कर सकेंगे। इसके लिए मोबाइल यूजर्स को अपने फोन में एक स्पेशल डोंगल अटैच करना होगा। चंद्रा ने कहा कि मोबाइल बनाने वाली कंपनियों को मोबाइल फोन के अंदर एक चिप लगाना शुरू करना होगा जिससे टेलीविजन से मिलने वाला सिग्नल सीधे मोबाइल फोन में मिल सके। चंद्रा ने आगे कहा कि सरकार ने 4 साल के लिए ब्रॉडकास्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और नेटवर्क डेवलपमेंट स्कीम BIND के तहत प्रसार भारती की पहुंच को बढ़ाने की भी योजना है।

जजों के इम्तेहान में सारे वकील हो गए फेल !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 18 फ़रवरी , पिछले दिनों छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट (High Court Chhattisgarh) ने जिला जज (District Judge) के तीन पदों के लिए विज्ञापन प्रकाशित किया था। उसके बाद चयनित आवेदकों की परीक्षा कराई गई। अब छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय (High Court) ने जजों की इस एंट्री लेवल परीक्षा का रिजल्ट जारी किया है। परिणाम आश्चर्यजनक है क्योंकि सभी अभ्यार्थी फेल हो गए हैं। किसी एक को भी सफलता नहीं मिली है।

क्या है पूरा मामला ?

पिछले साल छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने जिला जज के तीन पदों पर नियुक्ति के लिए एक विज्ञापन जारी किया था। इसमें दो अनारक्षित पद और एक आरक्षित था। विज्ञापन के मुताबिक परीक्षा के लिए 27 जून से 22 जुलाई के बीच आवेदन करना था। लिखित परीक्षा की तारीख 25 सितंबर, 2022 को तय की गई थी।परीक्षा में बैठने के लिए आवेदक का लॉ में ग्रेजुएट (Law Graduate) होना आवश्यक था। ग्रेजुएशन UGC से मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से ही हुआ हो, यह भी अनिवार्य था। इसके अलावा 7 साल तक वकालत की प्रैक्टिस का अनुभव (Experience) होना भी अनिवार्य था। अनारक्षित वर्ग से आने वाले आवेदकों की उम्र की सीमा 35 से 45 वर्ष थी। आरक्षित वर्ग को तीन साल की छूट थी।परीक्षा के लिए कुल 314 वकीलों का चयन हुआ था। कुल 200 अंक के लिखित परीक्षा में कानून से जुड़े प्रश्न और निर्णय लेखन के प्रश्न थे। इसके अलावा हिंदी से अंग्रेजी और अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद करना था। अनारक्षित वर्ग (Unreserved Category) के लिए क्वालीफाइंग मार्क्स 60 प्रतिशत और आरक्षित वर्ग (Reserved Category) के लिए 50 प्रतिशत था। परीक्षा पास करने वाले अभ्यर्थियों का इंटरव्यू होता लेकिन कोई अभ्यार्थी पास ही नहीं हुआ है।

नियुक्ति के लिए दोहराई जाएगी प्रक्रिया

सोमवार (13 फरवरी) को लिखित परीक्षा के परिणाम हाईकोर्ट की वेबसाइट पर जारी हुए। किसी भी श्रेणी से एक भी आवेदक के सफल ना होने की स्थिति में अब नियुक्ति की प्रक्रिया को दोहराया जाएगा। हालांकि ऐसी उम्मीद है इस बार विज्ञापन में पदों की संख्या अधिक दिखेगी।

डीएम सोनिका ने दिए लंबित वादों एवं राजस्व वसूली की समीक्षा करते हुए कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून जिलाधिकारी सोनिका की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट में स्टॉफ की बैठक लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी कोर्ट तथा तहसीलदार कोर्ट में लंबित वादों एवं राजस्व वसूली की समीक्षा करते हुए कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने समस्त उप जिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों को अपनी कोर्ट में लंबित वादों को प्रतिदिन सुनवाई करते हुए निस्तारित करने के निर्देश दिए। साथ ही उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि अविवादित संपत्ति के मामलों को समय से दाखिल खारिज करते हुए प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें। उन्होंने समस्त उप जिलाधिकारियों को इन कार्यों की मॉनिटरिंग करने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने राजस्व वसूली की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि संबंधित उप जिलाधिकारी एंव तहसीलदार अपने स्तर पर अमीनों के साथ बैठक करते हुए मुख्य एवं विविध देयकों की प्रगति की समीक्षा करते हुए प्रगति को शत-प्रतिशत बढ़ाने पर कार्य करें। उन्होंने मुख्य देयकों की प्रगति को एक मार्च तक शत-प्रतिशत करने तथा विविध देयकों को श्रेणीवार चिन्हित करते हुए कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार वर्ग -04 की भूमि, अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही मजिस्ट्रीयल जांच,सेवा के अधिकार के मामले के माममो पर जानकारी प्राप्त करते हुए प्रगति बढाने के निर्देश दिए। साथ ही समस्त उप जिलाधिकारियो को निर्देशित किया किया कि यूपी रिकवरी एक्ट में वर्णित प्राविधनों के अन्तर्गत राजस्व वसूली करना सुनिश्चित करें तथा निर्विवादित सम्पति के मामलों पर अभियान चलाकर निस्तारण करें।

बैठक अपर जिलाधिकारी वि/रा के.के मिश्रा, उप जिलाधिकारी सदर नरेश चन्द्र दुर्गापाल, नगर मजिस्ट्रेट कुश्म चौहान, अपर नगर मजिस्ट्रेट मायादत्त जोशी, तहसीलदार सदर सोहन सिंह रांगड़ तहसीलदार कालसी, सहित राजस्व विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे तथा उप जिलाधिकारी ऋषिकेश नन्दन कुमार, उप जिलाधिकारी मसूरी शैलेन्द्र सिंह नेगी, उप जिलाधिकारी विकासनगर विनोद कुमार, चकराता सौरभ कुमार, डोईवाला युक्ता मिश्रा एवं तहसीलदार वुर्चअल माध्यम से जुड़े रहे।